

## जैन दर्शन

पत्र संख्या - DSAC -28

पाठ्यक्रम विवरणम् -

जैनपुराणेतिहासः

| भाग - 1 | क्रेडिट - 1 | यूनिट - 1 | होरा - 16-20 |
|---------|-------------|-----------|--------------|
|---------|-------------|-----------|--------------|

- जैनवाङ्ग्ये पुराणपुरुषाः, त्रिष्णिशलाकापुरुषाणां षडुत्तरशतैकमहापुरुषाणां च नामोल्लेखः, एतेषामितिहासदिशाविमर्शः, जैनपरम्परायां पुराणस्यावधारणा, प्रमुखपुराणग्रन्थाः (जिनसेनस्य आदिपुराणं, गुणभद्रकृतोत्तरपुराणं, रविषेणस्य पद्मपुराणं, जिनसेनस्य हरिवंशपुराणम्), तत्कर्तरश्च।

| भाग - 2 | क्रेडिट - 1 | यूनिट - 2 | होरा - 16-20 |
|---------|-------------|-----------|--------------|
|---------|-------------|-----------|--------------|

- पद्मपुराणे भगवानरामः, वाल्मीकिरामायणेन सह तत्तुलना।

| भाग - 3 | क्रेडिट - 1 | यूनिट - 3 | होरा - 16-20 |
|---------|-------------|-----------|--------------|
|---------|-------------|-----------|--------------|

- हरिवंशपुराणे तीर्थकरनेमिनाथस्य नारायणकृष्णस्य च चरितसमीक्षणम्

| भाग - 4 | क्रेडिट - 1 | यूनिट - 4 | होरा - 16-20 |
|---------|-------------|-----------|--------------|
|---------|-------------|-----------|--------------|

- जैनपुराणेषु ऐतिहासिकतत्वानां सर्वेक्षणम्

**पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः -** भारतीय संस्कृति में जैन धर्म का योगदान (डॉ. हीरालाल जैन) मध्यप्रदेश शासन साहित्य परिषद्, भोपाल

**सहायकग्रन्थाः -**

- \* आदिपुराणम् (आचार्यजिनसेनः) भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
- \* उत्तरपुराणम् (आचार्यगुणभद्रः) भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
- \* पद्मपुराणम् (आचार्यरविषेणः) भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
- \* हरिवंशपुराणम् (आचार्यजिनसेनः) भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
- \* जैनपुराण का सांस्कृतिक अध्ययन (डॉ. देवीप्रसाद मिश्र) हिन्दुस्तानी अकादमी, इलहाबाद
- \* हरिवंशपुराण परिशीलन (संपा. ) वागर्थ विमर्श केंद्र, ब्यावर

## जैन दर्शन

पत्र संख्या - DSCC - 29

पाठ्यक्रम विवरणम् -

जीवसमासादिप्ररूपणा

| भाग - 1 | क्रेडिट - 1 | यूनिट - 1 | होरा - 16-20 |
|---------|-------------|-----------|--------------|
|---------|-------------|-----------|--------------|

- जीवसमासस्य लक्षणं, जीवसमासप्ररूपणायाः प्रयोजनं, संक्षेपविस्ताराभ्यां  
जीवसमासनिर्देशः, जीवसमासस्य भेदोपभेदाः, जीवानां जन्मभेदाः, तदपेक्षया  
जीवसमासकथनम्, जन्मस्थानभेदाः।

| भाग - 2 | क्रेडिट - 1 | यूनिट - 2 | होरा - 16-20 |
|---------|-------------|-----------|--------------|
|---------|-------------|-----------|--------------|

- पर्याप्तिप्ररूपणा तत्प्रयोजनञ्च, पर्याप्तिलक्षणं षड्भेदाश्च, पर्याप्तिकजीवाः,  
अपर्याप्तिकजीवाः, तद्देवाश्च गुणस्थानेषु पर्याप्तिपर्याप्तिनिर्देशाः।

| भाग - 3 | क्रेडिट - 1 | यूनिट - 3 | होरा - 16-20 |
|---------|-------------|-----------|--------------|
|---------|-------------|-----------|--------------|

- प्राणप्ररूपणा तत्प्रयोजनं, प्राणस्य लक्षणं द्रव्यभावप्राणभेदाश्च, द्रव्यप्राणस्य दशभेदाः  
तत्स्वामिनश्च, भावप्राणस्यस्वरूपादिनिर्देशाः।

| भाग - 4 | क्रेडिट - 1 | यूनिट - 4 | होरा - 16-20 |
|---------|-------------|-----------|--------------|
|---------|-------------|-----------|--------------|

- संज्ञाप्ररूपणा, संज्ञायाः लक्षणं, तस्याः चत्वारे भेदाः, आहारभ्यमैथुनपरिग्रहसंज्ञानां  
कारणस्वरूपनिर्देशः, चतुर्विधसंज्ञानां लोकजीवने उपयोगिता, संसारे संसरणस्य  
समीक्षा, संसारीजीवानां शरीररचनायां पर्याप्तिप्राणसंज्ञा प्ररूपणानां योगदानस्य  
आकलनम्।

**पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः** - गोमटसारः जीवकाण्डम् (आचार्येनेमिचन्द्रः) भारतीय ज्ञानपीठ, नई  
दिल्ली

**सहायकग्रन्थाः** -

- \* गोमटसार विवेचिका (ब्र. कल्पनाजैन) पण्डित टोडरमल स्मारक ट्रस्ट, जयपुर
- \* द्रव्यसंग्रह (नेमिचन्द्रसिद्धान्तदेव) श्री गणेशप्रसाद वर्णी जैन ग्रन्थमाला, काशी
- \* बृहद् द्रव्यसंग्रह (बृहदेवसूरि) पं. टोडरमल स्मारक ट्रस्ट, जयपुर

## जैन दर्शन

पत्र संख्या - DSAC - 30

पाठ्यक्रम विवरणम् -

श्रुतपरम्परा

| भाग - 1 | क्रेडिट - 1 | यूनिट - 1 | होरा - 16-20 |
|---------|-------------|-----------|--------------|
|---------|-------------|-----------|--------------|

- जैनपरम्परायां श्रुतस्यावधारणा, श्रुतकर्तृकता विचारः, गणधराः श्रुतकेवलिनश्च, श्रुतस्य प्रामाणिकतायाः आधारः, द्रव्यभावश्रुतविचारः, द्रव्यश्रुतस्य भेदोपभेदाः, भगवतो महावीरस्य निर्वाणानन्तरं 683 वर्षं यावत् केवलिनः श्रुतकेवलिनः श्रुतधारिणश्च प्रमुखा आचार्याः, अंगधारिणः पूर्वधारिणश्च।

| भाग - 2 | क्रेडिट - 1 | यूनिट - 2 | होरा - 16-20 |
|---------|-------------|-----------|--------------|
|---------|-------------|-----------|--------------|

- जैनपरम्परायां सम्प्रदायभेदः, दिग्म्बरसम्प्रदायः, श्वेताम्बरसम्प्रदायः, स्मृतिबलेन श्रुतसंधारणसंरक्षणोपक्रमाः, श्रुतधरणाऽच सूरीणां सम्मेलनयुगप्रतिक्रमणादयाः, दिग्म्बरश्वेताम्बरपरम्परयोः श्रुतस्य आगमस्य वा संकलनेतिहासः।

| भाग - 3 | क्रेडिट - 1 | यूनिट - 3 | होरा - 16-20 |
|---------|-------------|-----------|--------------|
|---------|-------------|-----------|--------------|

- दिग्म्बरपरम्परायां श्रुतलेखनस्येतिहासः, श्रुतधराचार्याणां परम्परा, आचार्यार्थगुणधर-धरसेन-भूतबलि-पुष्पदन्त-कुन्दकुन्द-उमास्वामि-समन्तभद्र-पूज्यपाददेवनन्दि-भट्टाकलङ्क-वीरसेनेति दशश्रुतधरणां जीवनवृत्तं कृतित्वसमीक्षणञ्च।

| भाग - 4 | क्रेडिट - 1 | यूनिट - 4 | होरा - 16-20 |
|---------|-------------|-----------|--------------|
|---------|-------------|-----------|--------------|

- श्वेताम्बरपरम्परायां द्वादशाङ्गश्रुतसंकलनस्येतिहासः, श्रुतलेखनस्येतिहासः, प्रमुखश्रुतधराचार्याणां परम्परा च। भद्रबाहु-संघदासगणि-सिद्धसेन-मल्लवादि-जिनभद्र-हरिभद्र-शीलाङ्क-सिद्धर्षि-अभयदेव-मलयगिरि-हेमचन्द्रेति दशश्रुतधराचार्याणां जीवनवृत्तं कृतित्वसमीक्षणञ्च।

=====

---

**पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः** - तीर्थकर महावीर और उनकी आचार्य परम्परा (डॉ. नेमीचन्द्र जैन)  
भारतवर्षीय अनेकान्त विद्वत्परिष

**सहायकग्रन्थाः** -

1. जैनधर्म के प्रभावक आचार्य (साध्वी संघमित्रा) जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूँ
2. भारतीय संस्कृति में जैन धर्म का योगदान (डॉ. हीरालाल जैन) मध्यप्रदेश शासन साहित्य परिषद्, भोपाल
3. जैन साहित्य का इतिहास (पं. कैलाशचन्द्र शास्त्री) श्री गणेशप्रसाद वर्णी जैन ग्रन्थमाला, काशी
4. जैन सांस्कृतिक चेतना के स्वर (प्रो. भागचन्द्र जैन) सन्मति प्राच्य शोध संस्थान, नागपुर